आरोप

बीजाडांडी में पारिवारिक विवाद ने पकड़ा तूल, चाचा पर मारपीट और प्रताड़ना का आरोप

दबंगों की धमकी से बेघर होने की कगार पर मां-बेटी

बीजाडांडी, नवभारत। बीजाडांडी थाना अंतर्गत एक युवती ने अपने ही चाचा और उनके परिवार पर मारपीट, अभद्रता और जमीन पर अवैध कब्जे का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता कुमारी सोनम बर्मन ने इस संबंध में जिला कलेक्टर और मंडला पुलिस अधीक्षक को आवेदन सौंपकर सुरक्षा और न्याय की मांग की है।

पीड़िता सोनम बर्मन ने बताया कि घटना 1 जनवरी 2026 की है, जब वह अपने घर का काम कर रही थी। उसी दौरान उसके चाचा प्रेम बर्मन ने काम रोकने की बात कहते हुए विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि चाचा ने युवती के साथ झूमाझटकी की, उसे जमीन पर गिरा दिया और भद्दी-भद्दी गालियां दीं। घटना के बाद आरोपियों ने थाने जाकर उल्टा पीड़िता के विरुद्ध ही शिकायत दर्ज कराने की धमकी दी।

युवती ने लगाए गंभीर प्रताड़ना के आरोप

कलेक्टर को सौंपे गए पत्र में सोनम ने अपने चाचा के पिछले आचरण पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसके चाचा द्वारा पूर्व में भी परिवार की महिलाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया है। पीड़िता का कहना है कि चाचा और उनकी बहनें नरबादिया बर्मन, भगवती बर्मन उन्हें जीने नहीं दे रहे हैं और उनके घर के निर्माण में लगातार बाधा डाल रहे हैं।

बेरोजगारी और बेघर होने का डर

पीड़िता ने भावुक होते हुए बताया कि वह और उसकी मां बेरोजगार हैं और दूसरों के घरों में काम करके गुजर-बसर कर रही हैं। विवाद के कारण उनका घर गिर रहा है और निर्माण सामग्री रेत, ईंट, डस्ट खराब हो रही है। 10 साल से चल रहे इस विवाद से थककर अब युवती ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि उन्हें उनके ही घर से न निकाला जाए और आरोपियों के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्यवाही की जाए।

मारपीट के बाद रिपोर्ट वापस लेने का दबाव बना रहे आरोपी

आपसी विवाद में कुल्हाड़ी से किया था हमला, पीड़ित परिवार ने पुलिस से मांगी सुरक्षा

बम्हनी बंजर। ग्राम भपसाटोला रामपुर में पुरानी रंजिश और मामूली विवाद को लेकर एक परिवार पर कुल्हाड़ी और लाठियों से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। इस घटना में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला तो दर्ज कर लिया है, लेकिन अब पीड़ित परिवार को रिपोर्ट वापस लेने के लिए डराया-धमकाया जा रहा है।

शिकायतकर्ता देवीदयाल बरमैया ने बताया कि घटना 21 जनवरी की रात करीब 8 बजे की है। जब उनके भाई गणेश बरमैया के घर घाट में काम करने के लिए कुदाली लेकर जा रहे थे, इसी दौरान ग्राम भपसाटोला का दुलीचंद मिला और पूछा कहां जा रहे हो, देवीदयाल ने कहां कि वह गणेश घर कुदाली लेने आया था, लेकर जा रहा हूं, इसी दौरान भपसाटोला का राखी झारिया और उसकी पत्नी शंकरी बाई और लड़का लकी झारिया आया और शंकरी बाई उससे कहने लगी कि मुझे घूर कर क्यों देख रहे हो और उसके बाद उन्हें रोककर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने हाथ-मुक्के से मारपीट शुरू की। इसी बीच आरोपी दुर्गेश सिंगरौर और कल्लू झारिया लकड़ी और कुल्हाड़ी लेकर आ गए।

शिकायतकर्ता देवीदयाल बरमैया ने बताया कि आरोपियों ने बर्बरता की हदें पार करते हुए गणेश के सिर पर कुल्हाड़ी की मुधिया (पिछला हिस्सा) से हमला किया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। बीच-बचाव करने आए देवीदयाल, अखिलेश, करन और अभिषेक को भी लाठियों और कुल्हाड़ी से पीटा गया। पीड़ितों के सिर, पीठ और जबड़े में गंभीर चोटें आई हैं।

परिजनों ने की आरोपियों पर कार्रवाई की मांग-इस मामले में पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध कर लिया। वहीं पीड़ित परिवार का आरोप है कि मामला दर्ज होने के बाद अब अनावेदकगण राखी झारिया, शंकरी, लकी, कल्लू और दुर्गेश उन पर रिपोर्ट वापस लेने और राजीनामा करने का दबाव बना रहे हैं। पीड़ितों ने अब पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर बताया कि आरोपी उन्हें रास्ते में रोककर जान से मारने और हरिजन आदिवासी एक्ट के झूठे केस में फंसाने की धमकी दे रहे हैं। भयभीत परिवार ने पुलिस प्रशासन से जान-माल की रक्षा और आरोपियों के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्यवाही की मांग की है।

डुण्डीसरई में सरपंच कप वालीबॉल प्रतियोगिता 6 से

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम डुण्डीसरई में आगामी 6 व 7 फरवरी को दो दिवसीय सरपंच कप वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के प्रथम विजेता टीम को 11101 रुपए नकद व ट्रॉफी, द्वितीय विजेता टीम को 5501 रूपए नकद व ट्राफी एवं तृतीय विजेता टीम को 2701 रूपए नकद व ट्रॉफी प्रदान किया जाएगा। इच्छुक टीमें 101 रूपए इंट्री फीस जमा कर भाग ले सकती हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष कल्याण सिंह धुर्वे, उपाध्यक्ष सेमलाल मरावी, सचिव जीवन मरावी, उपसचिव फूंदीलाल नेताम, कोषाध्यक्ष सागर मरावी व देवेंद्र कुमार धुर्वे द्वारा बताया गया कि सभी खिलाड़ी समय का विशेष ध्यान रखें।

जल जीवन मिशन के बाद भी पानी को मोहताज चकदेही

कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश, दो हजार की आबादी वाले गांव में केवल 150 घरों तक पहुँच रहा पानी

नारायणगंज। शासन की नल-जल और जल जीवन मिशन जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के बावजूद ग्राम चकदेही में पेयजल की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। गांव की एक बड़ी आबादी आज भी बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रही है, जिसे लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा है।

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत चकदेही की कुल जनसंख्या लगभग दो हजार से अधिक है। आश्चर्य की बात यह है कि जल जीवन मिशन के तहत बिछाई गई पाइप लाइन और व्यवस्थाओं का लाभ मात्र 150 घरों के लोगों को ही मिल पा रहा है। शेष बड़ी आबादी को पानी की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पा रही है, जिससे दैनिक कार्यों के लिए ग्रामीणों को भारी मशक्कत करनी पड़ रही है।

नर्मदा नदी से आपूर्ति की मांग

क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और जल स्तर को देखते हुए ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि गांव में नर्मदा नदी से सीधे पानी सप्लाई करने की कार्ययोजना बनाई जाए। ग्रामीणों का तर्क है कि नर्मदा जल की आपूर्ति ही इस विकराल समस्या का स्थायी समाधान हो सकती है। इस संबंध में ग्राम सभा से प्रस्ताव भी पारित किया जा चुका है, जिसमें पूरी ग्राम पंचायत की सहमति शामिल है।
ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही पानी की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई, तो वे लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करने को मजबूर होंगे। फिलहाल ग्रामीणों द्वारा जिला प्रशासन को सौंपे गए इस ज्ञापन के बाद अब ग्रामीणों की नजरें जिला प्रशासन की त्वरित कार्यवाही पर टिकी हैं।

शराब के खिलाफ महिलाओं का हल्लाबोल

प्रशासन के खिलाफ की जमकर नारेबाजी

भुआबिछिया। ग्राम खिरहनी और खड़देवरी की महिलाओं ने मंगलवार को अवैध शराब बंदी की मांग को लेकर उग्र प्रदर्शन किया। महिलाओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में अवैध शराब के विक्रय के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रशासनिक ढिलाई पर नाराजगी जताई।

खिरहनी व पीपरपानी पंचायत के खड़देवरी गांव से बड़ी संख्या में पहुंची महिलाओं ने बताया कि गांव में अवैध शराब आसानी से उपलब्ध हो रही है। इस कारण न केवल युवा बल्कि छोटे बच्चे भी नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। शराब के कारण कम उम्र में ही लोग अपनी जान गंवा रहे हैं, जिससे हंसते-खेलते परिवार असहाय और बर्बाद हो रहे हैं।

कार्रवाई न होने पर जताया रोष-महिलाओं ने आरोप लगाया कि अवैध शराब के संबंध में पहले भी कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा शराब माफियाओं पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसी उदासीनता के कारण गांव में अशांति का माहौल बना हुआ है।

कलेक्टर ने दिया आश्वासन-महिलाओं के कड़े तेवर और नारेबाजी को देखते हुए कलेक्टर ने तत्काल मामले को संज्ञान में लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे स्वयं गांव पहुंचकर वस्तुस्थिति की जांच करें और अवैध शराब विक्रेताओं पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। कलेक्टर के आश्वासन के बाद महिलाएं शांत हुईं।

किसानों को मिला खेती के साथ मशरूम का साथ

बिछिया के किसानों को मिली बढ़ती आय के साथ नई पहचान

भुआबिछिया। कहते हैं, छोटी शुरुआत भी बड़ी कामयाबी की राह खोल देती है बिछिया क्षेत्र के किसानों ने इसे सच कर दिखाया है। पारंपरिक खेती पर निर्भर किसानों की आय सीमित थी, लेकिन अब मशरूम उत्पादन ने उनकी जिंदगी में नई रोशनी भर दी है। प्रशासन की पहल, प्रशिक्षण और किसानों की मेहनत ने इस छोटे से प्रयोग को आर्थिक सशक्तिकरण के मॉडल में बदल दिया।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्रीमती सोनाली देव और वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी मुकेश कुलस्ते के मार्गदर्शन में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 70 किसानों को मशरूम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई। आजीविका परियोजना के सहयोग से नरेनी माल, कन्हारी कला, गदिया चंगरिया के लगभग 50 किसान सफलतापूर्वक मशरूम उत्पादन कर रहे हैं। इस मुहिम में मनोज धूमकेती और श्रीमती बैसखिया बाई मास्टर ट्रेनर बनकर अन्य किसानों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। उनका प्रयास अब एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है।

ग्राम नरेनी माल के किसान मनोज धूमकेती ने साबित कर दिया कि कम संसाधनों में भी बड़ी कमाई संभव है। किसान मनोज धूमकेती ने मात्र 10 वाई 10 के छोटे कमरे में मशरूम उत्पादन शुरू कर अच्छी कमाई कर ली है। उन्होंने बताया कि 50 मशरूम बेड तैयार करने में केवल 2 हजार रुपये का खर्च आया। उत्पादन के एक चक्र में ही उन्हें लगभग 8 हजार रुपये की आय प्राप्त हुई। मनोज धूमकेती ने बताया कि मशरूम उत्पादन कम समय, कम जगह और कम निवेश में किसानों के लिए अतिरिक्त आय का प्रभावी साधन साबित हो सकता है। इससे पारंपरिक खेती के साथ-साथ स्वरोजगार के नए अवसर भी खुल रहे हैं। मनोज का कहना है कि अगर किसान पारंपरिक खेती के साथ मशरूम उत्पादन जोड़ लें, तो यह आय का आसान और बेहतरीन अतिरिक्त साधन बन सकता है।

प्रशासन ने किया उत्साहवर्धन

कलेक्ट्रेट में मनोज धूमकेती ने अपने उत्पादित मशरूम बेड अधिकारियों को भेंट किए। कलेक्टर ने इस प्रयास की सराहना करते हुए जिले के अन्य किसानों को भी इस मॉडल को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कोसमडीह में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

डिंडौरी। विगत दिवस स्वास्थ्य विभाग ने विकासखंड बजाग के ग्राम कोसमडीह में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को समय पर, सुलभ एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना रहा। स्वास्थ्य शिविर के दौरान नागरिकों की एक्स-रे जांच की गई। साथ ही असंचारी रोग (एनसीडी) कार्यक्रम के अंतर्गत 139 लोगों की बीपी एवं शुगर जांच की गई। इसके अतिरिक्त टीबी रोग की जांच हेतु 18 खखार (स्पुटम) सैंपल एकत्रित किए गए। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता करते हुए स्वास्थ्य परीक्षण कराया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से गंभीर बीमारियों की प्रारंभिक पहचान कर समय पर उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। शिविर में डॉ. चंद्रशेखर सिंह धुर्वे, बीपीएम लल्ला यादव, रेडियोग्राफर लोकेश भनोट, एसटीएस चंद्र विजय कुशराम, सेक्टर सुपरवाइजर एन.एस. उईके, सीएचओ शांति मरावी, एएनएम संगीता उईके सहित पैरामेडिकल स्टाफ एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बांधवगढ़ में बाघों की लाशों पर मनाया जा रहा 'लूट का उत्सव'

ताला जोन में मैनुअल पर्ची से अवैध वसूली और वीआईपी सेटिंग का धंधा बेखौफ जारी

उमरिया, नवभारत। बाघों की कब्रगाह बने बांधवगढ़ में 20 दिन में 5 मौतों और लाठीचार्ज के शोर के बीच अब 'कालाबाजारी' का बड़ा खेल उजागर हुआ है। एसआईटी की नाक के नीचे ताला जोन में मैनुअल पर्ची से अवैध वसूली और वीआईपी सेटिंग का धंधा बेखौफ जारी है। वायरल पर्ची ने नियमों की धज्जियां उड़ा दी हैं।

हद तो तब हो गई जब जिम्मेदार अधीनस्थ स्टाफ ने दबी जुबान में कबूला कि पर्यटन अधिकारी कार्यालय से ही ऐसी पर्चियां बनकर आती हैं, हमें तो बस उस पर अमल करना होता है। इस खुलासे ने वन विभाग के 'भ्रष्टाचार' की पोल खोलकर रख दी है। वायरल हो रही यह पर्ची महज कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि वन विभाग के माथे पर लगा भ्रष्टाचार का वो दाग है, जिसे मिटाना आसान नहीं होगा। यह पर्ची पूर्णतः अवैध है।

कैरिंग कैपेसिटी के नियम की उड़ाई जा रही धज्जियां

एनटीसीए नई दिल्ली द्वारा जारी 'नॉमेटिव स्टैंडर्डस फॉर टूरिज्म एक्टिविटीज, 2012' में स्पष्ट उलेख है कि प्रत्येक टाइगर रिजर्व को अपनी 'कैरिंग कैपेसिटी' का कड़ाई से पालन करना होगा। इसके तहत वाहनों की संख्या सीमित और निर्धारित है। साथ ही, मध्य प्रदेश शासन के स्पष्ट आदेश हैं की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बुकिंग केवल 'कम्प्यूटरीकृत ऑनलाइन सिस्टम' (एमपी ऑनलाइन फरिस्ट पोर्टल) के माध्यम से ही होगी। मैनुअल पर्ची जारी करना सीधे तौर पर कैरिंग कैपेसिटी के नियम को तोड़ना है, जो कि वाइल्डलाइफ (प्रोटेक्शन) एक्ट, 1972 की धारा 38-ओ के तहत दंडनीय अपराध है।

स्टाफ ने खोली पोल, साहब के ऑफिस से ही आती है पर्ची

इस पूरे मामले में ताला के पर्यटन अधिकारी (रेंज ऑफिसर) अंकित सोनी की भूमिका सवालों के घेरे में है। वायरल पर्ची पर उन्हीं की पदमुद्रा (सील) लगी है, लेकिन उनका कहना है कि मैं इस पची को नहीं जानता और इस पर मेरे सिग्नेचर नहीं है। उनका यह पल्ला झाड़ना तब और भी संदिग्ध हो जाता है, जब उन्हीं के अधीनस्थ स्टाफ ने इस फर्जीवाड़े की कलई खोल दी।

स्टाफ ने कहा- हम तो बस हुक्म के गुलाम है

गेट पर तैनात और पर्चीं प्रोसेस करने वाले स्टाफ ने साफ लफ्जों में कबूल किया है कि यह कोई पहली बार नहीं है। ऐसी पर्चियां सोधे पर्यटन अधिकारी कार्यालय (ऑफिस) से 'अलाऊ' होकर आती हैं। जब साहब के ऑफिस से घंटी आती है, तो हमें मजबूरी में उस पर साइन करना पड़ता है और गाड़ी छोड़नी पड़ती है। हम तो बस हुक्म के गुलाम है, विभाग के आगे हमारी क्या चलेगी?' स्टाफ का यह बयान साबित करता है कि अधिकारी झूठ बोल रहे है और यह पूरा सिंडिकेट उनकी नाक के नीचे चल रहा है।

1 फरवरी, 3 पर्यटक और अवैध एंट्री का सच

नवभारत की पड़ताल में इस वायरल पर्ची की एक-एक डिटेल की पुष्टि हो चुकी है। यह पर्ची जिप्सी क्रमांक एमपी-54-टी-1115 के लिए जारी की गई थी, जिसमें एक गाइड का नाम स्पष्ट रूप से रेखित है। पर्चीं पर 'गाइड की पेड़ 800' की मुहर लगाकर अवैध वसूली की गई। पुष्टि हुई है कि 1 फरवरी 2026 को इसी फर्जी पर्चीं के सहारे 3 पर्यटकों को 'वीआईपी' बताकर ताला जोन में अवैध सफारी कराई गई। बिना ऑनलाइन बुकिंग और बिना आईडी प्रूफ के इन तीन लोगों को सीधे गेट से अंदर भेजना सुरक्षा नियमों के मुंह पर तमाचा है।

इनका कहना है

मामला आपके द्वारा संज्ञान में लाया गया है। मैं प्रकरण को देखता हूं। दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अनुपम सहाय, फील्ड डायरेक्टर, बांधवगढ़ रिजर्व उमरिया

सील तो मेरी है, लेकिन आपके द्वारा भेजी गई पर्ची में हस्ताक्षर मेरे नहीं है। मेरे हस्ताक्षर से इस वर्ष कोई भी पर्ची जारी नहीं हुई है।

अंकित सोनी, पर्यटन अधिकारी, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया

दहशत

ग्राम पंचायत खुड़िया रैयत का भवन हो गया जर्जर, कभी भी गिर सकता हैं सीलिंग का प्लास्टर

कार्यालय के बाहर बैठकर सचिव व सरपंच कर रहे कार्य

अमरपुर, डिण्डौरी। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत खुड़िया रैयत का ग्राम पंचायत कार्यालय भवन बहुत ही जर्जर हो गया हैं। इस भवन के अंदर बैठने पर इस बात का हमेशा भय बना रहता हैं कि कहीं सीलिंग का प्लास्टर ऊपर में न गिर जाए। यहां सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक बाहर बैठकर ही अपने शासकीय कार्य निपटाते नजर आते हैं।

ग्राम पंचायत सरपंच के अनुसार छत इतनी कमजोर हो गई हैं कि बारिश के मौसम में बारिश का पानी अंदर पंचायत भवन कार्यालय में भर जाता हैं। कक्षों में तो बरसात रुक जाने के बाद भी पानी टपकता रहता हैं। इसके अलावा ग्राम पंचायत कार्यालय के बाहर भी आधा घंटा बैठ पाना संभव नहीं हैं, क्योंकि ग्राम पंचायत के आसपास ग्रामीण नित्य क्रिया करते हैं, जहां स्वच्छता मिशन पूर्णतः असफल नजर आ रहा हैं।

ग्राम पंचायत कार्यालय के आस-पास हैं गंदगी

ग्राम पंचायत कार्यालय में बैठने पर बदबू आने से लगता हैं कि कहीं उल्टि न हो जाए। शायद इस गांव में स्वच्छता मिशन के तहत शौचालयों का निर्माण कार्य नहीं कराया गया हैं। ग्राम पंचायत कार्यालय के आस-पास इतनी गंदगी व्याप्त हैं कि ग्रामीणों में संक्रामक रोग फैलने की संभावना बढ़ जाती हैं।

इनका कहना है

किसकों क्या कहे, हमारी तो मजबूरी हैं कि हम लोग पंचायत का संचालन कर रहे हैं।

ज्ञानी सिंह परतेती, सरपंच ग्राम पंचायत खुड़िया

बूथ स्तर तक प्रभावी कार्ययोजना बनाने पर जोर

विकसित भारत जी राम जी योजना को लेकर भाजपा मंडल शहपुरा में कार्यशाला आयोजित

शहपुरा, डिण्डौरी। भाजपा मंडल शहपुरा द्वारा विकसित भारत जी राम जी योजना के संबंध में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य योजना के लक्ष्यों, क्रियान्वयन और जन-जागरूकता को लेकर कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश देना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पंडित ज्ञानदीप त्रिपाठी ने योजना की अवधारणा, सामाजिक सहभागिता और संगठनात्मक मजबूती पर विस्तार से प्रकाश डाला। जिला उपाध्यक्ष संतोष साहू एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष मनोहर सोनी ने संगठनात्मक अनुभव साझा करते हुए बूथ स्तर तक प्रभावी कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब हर शक्ति केंद्र और हर बूथ पर समर्पित कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

योजना के उद्देश्यों को जन-जन पहुंचाने का लिया संकल्प-कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी गुड्डा सोनी, मंडल महामंत्री नितिन गुप्ता एवं वसंत कुशराम ने समन्वय और प्रचार-प्रसार की रणनीति पर विचार रखे। अंत में कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि योजना के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। कार्यशाला में सभी शक्ति केंद्र प्रभारी, पंच परमेश्वर, बूथ के त्रिदेव एवं देवतुल्य कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। प्रमुख रूप से राजेश साहू, अनूप गुप्ता, हरीश साहू, अरुण अग्रवाल, बबलू अवधिया, हीरालाल साहू, शांतिलाल साहू, रामलाल रजक, साधुराम भवेदी सहित शक्ति केंद्र प्रभारी राजा साहू, विजय साहू, मोहन बनवासी, किशन झारिया, अमित कछवाहा, पवन झरिया उपस्थित रहे।